1995–96 के दौरान पंजाब सरकार को बुनकरों के लिए मकानों का निर्माण करने हेतु कोई सहायता प्रदान करने का प्रस्ताव रखनी है ;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ;

(ग) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ; और

(घ) क्या किसी राज्य सरकार को इस प्रकार की सहायता प्रदान की गई है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

**वस्त्र मंत्री (श्री जी० वेंकट स्वामी)** : (क) और (ख) केन्द्र सरकार कार्यशाला/कार्यशाला-सह-आवास के निर्माण के लिए हथकरघा बुनकरों को केन्द्रीय सहायता देने हेतु कार्यशाला-सह-आवास योजना कार्यान्वित कर रही है । इस योजना के अंतर्गत पंजाब सहित समूचे देश के हथकरघा बुनकरों को सहायता दी जाती है । इस संबंध में राज्यवार लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जाता । इस योजना के अंतर्गत वर्ष 1995–96 के लिए 12 करोड़ रुपये का प्रावधान है ।

(ग) राज्य सरकारों से प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर ऐसी सहायता दी जाती है। पंजाब सरकार से वर्ष 1995–96 के दौरान ऐसा कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है ।

(घ) वर्ष 1995–96 के दौरान किसी भी राज्य सरकार को कार्यशाला-सह-आवास योजना के अंतर्गत सहायता नहीं दी गई है ।

**Modernisation of Powerlooms in Gujarat**

6126. SHRI RAJUBHAI A. PARMAR: Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) whether Government have received any proposal from the Government of Gujarat for providing financial assistance for modernisation of powerloom in that State;

(b) if so, the details thereof; and

(c) the steps taken by Government thereon?

THE MINISTER OF TEXTILES (SHRI G. VENKAT SWAMY): (a) No, Sir.

(b) and (c) Does not arise.

**वस्त्र मिलों को ऋण दिया जाना**

6127. **श्री अजीत जोगी :**

**श्री मूलचन्द मीणा :**

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या घाटे में चल रही वस्त्र मिलों और उन मिलों को जो अपना आधुनिकीकरण करना चाहती हैं, वित्तीय संस्थाओं से ऋण प्राप्त नहीं हो रहा है ; और

(ख) यदि हां, तो ऐसी मिलों के मालिकों को अग्रिम ऋण उपलब्ध कराने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जा रहे हैं ?

**वस्त्र मंत्री (श्री जी० वेंकट स्वामी)** : (क) और (ख) वित्तीय संस्थानों द्वारा अपने ऋण अभियान के एक भाग के रूप में आधुनिकीकरण के लिए वस्त्र मिलों को ऋण मंजूर किए जाते हैं इन मिलों द्वारा प्रस्तुत की गई आधुनिकीकरण योजना की अर्थक्षमता और उनके पुनर्भुगतान की क्षमता को ध्यान में रखा जाता है ।

**राष्ट्रीय वस्त्र निगम मिलों में स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति योजना**

6128. **श्री अजीत जोगी** : क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राष्ट्रीय वस्त्र निगम के कर्मचारियों के लिए स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति योजना हेतु 1994–95 और 1995–96 के दौरान कितनी धनराशि निर्धारित की गयी है ;

(ख) क्या राष्ट्रीय वस्त्र निगम के कर्मचारियों के लिए यह आवश्यक है कि वे स्वैच्छिक सेवा निवृति के लिए अपने प्रार्थना पत्रों को श्रमिक संघों के माध्यम से भेजें ;

(ग) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ;

(घ) यदि नहीं, तो क्या सरकार को श्रमिक संघों द्वारा स्वैच्छिक सेवा निवृति मांगने वाले कर्मचारियों से धनराशि वसूल करने के संबंध में शिकायतें प्राप्त हुई हैं ; और

(ङ) सरकार द्वारा इस संबंध में क्या कार्यवाही की गयी है ?

**वस्त्र मंत्री (श्री जी० वेंकट स्वामी) :** (क) वर्ष 1994–95 में एन टी सी के कर्मचारियों के लिए स्वैच्छिक सेवा निवृति के लिए 20 करोड़ रु० की धनराशि रिलीज की गई थी । 1995–96 के लिए धनराशि अभी उदिद्ष्ट की जानी है ।

(ख) और (ग) एन टी सी की स्वैच्छिक सेवा निवृति योजना के अनुसार एन टी सी के कामगारों के लिए स्वैच्छिक सेवानिवृति योजना का लाभ उठाने के लिए आवेदन मान्यता प्राप्त श्रमिक संघों के माध्यम से भेजना अनिवार्य नहीं है । तथापि जहां कहीं भी राज्यों में संबंधित औद्योगिक संबंध अधिनियम के अनुसार यह बाध्यकर होता है । विधिक सहायक निगमों के प्रबंधन श्रमिक संघों के साथ करार करते हैं, जैसे कि महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात जिनमें यह प्रावधान है कि पदों को बढ़ाने के मामले में प्रबंधन के लिए यह बाध्य-कर है कि वह संबंधित संघों के साथ करार करें तथा कामगारों के लिए यह अनिवार्य है कि वे ऐसे आवेदन ऐसे संघों के माध्यम से भजें ।

(घ) और (ङ) ऐसी शिकायतें प्राप्त हुई थीं कि स्वैच्छिक सेवा निवृति योजना का लाभ उठान वाले कर्मचारियों को भुगतान किए जाने वाल अनुग्रह राशि के एक भाग का भुगतान बंबई में एन टी सी की मिलों के प्रतिनिधि श्रमिक संघ को किया गया था । इस धनराशि को संबंधित कामगार द्वारा एक औपचारिक प्राधिकरण पत्र के आधार पर ही काटा जा रहा है । तत्वत: यह प्रतिनिधि श्रमिक संघ तथा संबंधित कामगार के बीच का मामला है ।

**Silk weavers of Dharmavaram in Andhra Pradesh**

6129. SHRIMATI KAMLA SINHA: Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) whether Government are aware of the pitiable condition of the silk weavers of Dharmavaram in Andhra Pradesh due to various factors;

(b) if so, whether steps have been taken by Government to alleviate the situation; and

(c) if so, what are the details thereof?

THE MINISTER OF TEXTILES (SHRI G. VENKAT SWAMY): (a) No, Sir. The State Government of Andhra Pradesh has sent no such report about distressed condition of silk weavers of Dharmavaram.

(b) Does not arise.

(c) Does not arise.

**Cotton yarn for powerloom and Handloom Sector**

6130. SHRI IQBAL SINGH: Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) whether steps are being taken by Government to make available cotton yarn for powerloom and handloom sectors in adequate quantity in the country; and

(b) if so, the details thereof and if not, the reasons therefor?